थे ही हो गंगा रा वासी गंगा नहाय घर आया

थे ही हो गंगा रा वासी,

दोहा – गंगा न नहायो गोमती,
चडयो न गढ़ गिरनार,
बिनाजारे री बैल ज्यु,
गयो जमारो हार।

थे ही हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया,
गंगा नहाया यमुना नहाया,
बद्री नहाय घर आया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

हाथ में सोने रो चुटियो,
दडीया रमता आया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

हाथ में झर झरती झारी,
माय गंगाजल लाया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

हाथ में पितलियो लोटो,
माय गंगाजल लाया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

हाथ में रेशमियो खड़ियो,
माय मखाना लाया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हरि हरि करता आया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

हाथ में चंदन की माला,
राम रटता आया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया,
गंगा नहाया यमुना नहाया,
बद्री नहाय घर आया,
थे ई हो गंगा रा वासी,
गंगा नहाय घर आया।bd।

गायक – संत राजू महाराज व पूनम सिंवर।
Upload By – Bhavesh Jangid
8769242034

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com